



#### 4.2 तुम्हें भूल जाने की

दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या

शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं

झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं

इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित

रहने का रमणीय यह उजेला अब

सहा नहीं जाता है।

कवि ने व्यक्तिगत संदर्भ में किस स्थिति को अमावस्या कहा है?

रेखांकित अंशों को ध्यान में रखकर उत्तर दें।

उत्तर:- कवि स्वयं को प्रेमी के स्नेह के उजाले से दूर रखने की स्थिति को अमावस्या कहा है।

#### 4.3 तुम्हें भूल जाने की

दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या

शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं

झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं

इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित

रहने का रमणीय यह उजेला अब

सहा नहीं जाता है।

इस स्थिति से ठीक विपरीत ठहरने वाली कौन-सी स्थिति

कविता में व्यक्त हुई है? इस वैपरीत्य को व्यक्त करने वाले शब्द का व्याख्यापूर्वक उल्लेख करें।

रेखांकित अंशों को ध्यान में रखकर उत्तर दें।

उत्तर:- इस स्थिति से ठीक विपरीत ठहरने वाली स्थिति —

‘परिवेष्टित आच्छादित रहने का रमणीय यह उजेला’ कवि ने प्रियतमा की आभा से, प्रेम के सुखद भावों से सदैव घिरे रहने की स्थिति को उजाले के रूप में चित्रित किया है। यह उजाला कवि को जीवन में मार्ग दिखता है।

#### 4.4 तुम्हें भूल जाने की

दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या

शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं

झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं

इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित

रहने का रमणीय यह उजेल्ला अब

सहा नहीं जाता है।

कवि अपने संबोध्य (जिसको कविता संबोधित है कविता

का 'तुम') को पूरी तरह भूल जाना चाहता है, इस बात

को प्रभावी तरीके से व्यक्त करने के लिए क्या युक्ति

अपनाई है?

रेखांकित अंशों को ध्यान में रखकर उत्तर दें।

**उत्तर:-** कवि कहता है कि वह अपने प्रिय को पूरी तरह भूल जाना चाहता है। उसके वियोग के अंधकार को अपने शरीर और हृदय पर झेलते हुए वह उस अंधकार में नहा लेना चाहता है ताकि उसके प्रिय की कोई स्मृति उसके हृदय में न रहे। इस प्रकार कवि वियोग की अंधकार -अमावस्या में डूब जाना चाहता है।

\*\*\*\*\* END \*\*\*\*\*